किसान खुद संभालेंगे अपना मोर्चा, मांगों को लेकर आज कलेक्ट्रेट में डालेंगे डेरा

पांढुर्णा। क्षेत्र के शोषित एवं पीड़ति किसान अपनी लंबित मांगों और विभिन्न समस्याओं को लेकर आज यानी 13 अक्टूबर को सड़कों पर उतरेंगे। बिना किसी राजनीतिक दल या झंडे के, किसान स्वप्रेरित होकर अपनी आवाज बुलंद करने जा रहे हैं। किसान स्थानीय एम.पी.एल. मैदान में एकत्र होकर कलेक्ट्रेट तक एक शांतिपूर्ण रैली निकालेंगे, जिसके बाद अपनी मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट में डेरा डालकर ज्ञापन सौंपेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार दोपहर 12 बजे पांढुर्णा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के किसान बड़ी संख्या में एम.पी.एल. मैदान में जमा होंगे। यहां से एक जुट होकर सभी किसान कलेक्ट्रेट परिसर की ओर प्रस्थान करेंगे। किसानों का कहना है कि यह आंदोलन पूरी तरह गैर-राजनीतिक है और किसान अपनी समस्याओं से तंग आकर स्वयं अपनी लड़ाई लड़ने आगे आए हैं। कलेक्ट्रेट पहुँचकर किसान जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेंगे और क्षेत्र की विकट परिस्थितियों पर विस्तृत चर्चा करेंगे। ज्ञापन में सूखे के हालात से उपजी दयनीय स्थिति, फसल क्षति का मुआवजा, कर्जा माफी, ई-टोकन प्रणाली पर रोक तथा आर्थिक तंगी से जूझ रहे किसान परिवारों के बच्चो की शालेय फीस माफी के मुद्दे प्रमुख रहेंगे। किसानों ने शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगों को शासन-प्रशासन के सामने रखने की बात कही है। इस आयोजन को लेकर क्षेत्र के किसानों में भारी उत्साह और लामबंदी देखी जा रही है।

एक्शन मोड में नवागत एसपी, पत्रकारों से बोली 10-15 दिन में कसेंगे शहर की व्यवस्था

पांढुर्णा। आज 12 अक्टूबर को जिला प्रेस क्लब पांढुर्णा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने जिले की नवागत पुलिस अधीक्षक विदिता डागर से सौजन्य भेंट कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। भेंट के दौरान नवागत एसपी विदिता डागर ने प्रेस क्लब के सदस्यों से चर्चा करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि मीडिया व आम नागरिकों से निरंतर संवाद बनाए रखना उनकी कार्यशैली का अहम हिस्सा है। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों और महिलाओं से जुड़े कार्यक्रमों में सहभागिता को अपनी प्राथमिकता बताया। एस.पी. महोदया ने मीडियाकर्मियों से अपील करते हुए कहा कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि या सूचना हो, तो उसे सीधे उनके व्यक्तिगत नंबर पर साझा करें, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके। चर्चा के दौरान उपस्थित पत्रकारों ने शहर की प्रमुख समस्याओं की ओर पुलिस कप्तान का ध्यान आकर्षित किया। पत्रकारों ने बताया कि शहर के बस स्टैंड परिसर तथा दो-तीन प्रमुख चौराहों पर प्रतिदिन यातायात की गंभीर समस्या बनी रहती है, जहां स्थायी पुलिस बल की तैनाती नितांत आवश्यक है। इसके अलावा शहर के अवैध कारोबार जैसे मुद्दों पर भी मीडियाकर्मियों और एस.पी. के बीच चर्चा हुई।

जल जीवन मिशन बना लोगों के जी का जंजाल

खुदी सड़क पर चलना हुआ दूभर, माता मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालु हो रहे हैं परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

ग्रामीणों को घर-घर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई जल जीवन मिशन योजना तामिया में लोगों की परेशानी का कारण बनती नजर आ रही है। योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने के लिए की गई खुदाई से गांव की आंतरिक सीसी सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। वहीं पाइपलाइन बिछाने और घरों में नल कनेक्शन देने के काम में निर्धारित तकनीकी मापदंडों का पालन नहीं किए जाने के आरोप भी सामने आ रहे हैं। ऐसे में योजना की गुणवत्ता, निर्माण कार्यों की निगरानी और विभागीय अधिकारियों की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

मानकों के विपरीत खुदाई, पाइपलाइन बिछाने पर सवाल



जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़क किनारे निर्धारित मापदंडों के अनुसार खुदाई की जानी चाहिए, लेकिन तामिया में कई स्थानों पर नाममात्र की नाली खोदकर पाइपलाइन बिछाने के आरोप हैं। ग्रामीणों का कहना है कि खुदाई की गहराई और पाइपलाइन बिछाने के तरीके की तकनीकी जांच की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में पाइपलाइन की सुरक्षा और पेयजल आपूर्ति प्रभावित न हो।इसी तरह घरों में नल कनेक्शन देने के मामले में भी अनियमितता की शिकायतें सामने आ रही हैं। आरोप है कि जहां 30 फीट पाइप दिए जाने की आवश्यकता बताई जा रही है, वहां कुछ कनेक्शनों में महज 5 से 15 फीट तक पाइप उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे उपभोक्ताओं को अपने घरों तक कनेक्शन पहुंचाने में परेशानी होने की आशंका है। इन आरोपों की पुष्टि के लिए मौके पर भौतिक सत्यापन और संबंधित अभिलेखों की जांच जरूरी है।

मरम्मत के नाम पर लीपापोती का आरोप

ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत की सीसी सड़कों को क्षतिग्रस्त करने के बाद ठेकेदार द्वारा मरम्मत के नाम पर केवल औपचारिकता की जा रही है। यदि सड़क की मरम्मत तकनीकी मापदंडों के अनुसार नहीं हुई, तो उसकी मजबूती प्रभावित हो सकती है और कुछ समय बाद दोबारा क्षति होने की आशंका रहेगी।अब जरूरत है कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी पाइपलाइन की गहराई, नल कनेक्शनों में उपयोग किए गए पाइप और क्षतिग्रस्त सीसी सड़कों का मौके पर निरीक्षण कराएं। साथ ही निर्माण कार्यों के मूल्यांकन और मरम्मत की गुणवत्ता की जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए। जल जीवन मिशन का उद्देश्य ग्रामीणों को सुविधा देना है, इसलिए योजना का लाभ तभी सार्थक होगा, जब निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण हों और आम लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा भी मिल सके।

फर्जी मूल्यांकन के आरोप, उपयंत्री की भूमिका पर संदेह

निर्माण कार्यों में तकनीकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने और निर्धारित मापदंडों के अनुसार काम होने की निगरानी की जिम्मेदारी संबंधित विभागीय अधिकारियों की होती है। इसके बावजूद यदि पाइपलाइन कम गहराई में बिछाई जा रही है या नल कनेक्शन में निर्धारित मात्रा से कम पाइप दिए जा रहे हैं, तो मूल्यांकन प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। स्थानीय स्तर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के उपयंत्री की भूमिका और मूल्यांकन प्रक्रिया की जांच की मांग की जा रही है। हालांकि, फर्जी मूल्यांकन और अधिकारियों की मिलीभगत के आरोपों की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

उखड़ी सीसी सड़कें, श्रद्धालुओं की बढ़ी परेशानी

तामिया में जल जीवन मिशन के तहत की गई खुदाई का असर गांव की आंतरिक सड़कों पर भी दिखाई दे रहा है। आरोप है कि ठेकेदार ने पाइपलाइन बिछाने के लिए कई सीसी सड़कों को बीच से खोद दिया, लेकिन उनकी मरम्मत निर्धारित गुणवत्ता के अनुसार नहीं की जा रही है। सड़क पर बिखरे पत्थर, धूल और खुदाई से बने गड्ढों के कारण आवागमन मुश्किल हो गया है।तामिया की प्रमुख सड़कें खेड़ापति माता मंदिर की ओर जाती हैं। ऐसे में नवरात्रि पर्व के दौरान मंदिर में दर्शन करने पहुंचने वाली महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क की खराब स्थिति से दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है। जिस योजना का उद्देश्य लोगों को सुविधा देना है, वही फिलहाल ग्रामीणों और श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का कारण बन रही है।

जंगलों पर लकड़ी माफिया का वार, रात के अंधेरे में सागौन की तस्करी!

जंगल के अंदर ही बना रहे सिल्लियां, बिछुआ रेंज की दस बीटों में हो रही सागौन कटाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा



पूर्व वनमंडल, छिंदवाड़ा के बिछुआ का जंगल वन माफियाओं के हवाले कर दिया गया है। वन अधिकारियों की लापरवाही का फायदा उठाते हुए तस्कर जंगल में ही सिल्लियां तैयार कर रहे हैं और यहां से रात के अंधेरे में सिल्लियों की तस्करी की जा रही है। पानाथावड़ी, सुरंगी, गढ़िया, पलोरा, बोरिया सहित अन्य के जंगलों में हो रही बेतहाशा कटाई पर वन विभाग के अधिकारी लगाम नहीं कस पा रहे हैं। अधिकारियों की लापरवाह कार्यप्रणाली का नतीजा ये है कि जंगल मैदान में तब्दील होता जा रहा है और माफिया अमले के संरक्षण में सागौन पेड़ों की बलि ले रहा है। बिछुआ रेंज की दस बीट में सक्रिय माफियाओं ने सागौन पेड़ों की कटाई की है।



झुंड में निकलते हैं तस्कर?

विभागीय सूत्रों की मानें तो जंगल में कटाई करने तस्कर झुंड में निकलते हैं। एक पेड़ काटने में इन माफियाओं को एक घंटे से भी कम समय लगता है। कटाई करने के बाद तस्कर जंगल में ही पेड़ों की कीमती लकड़ियों की सिल्लियां बना देते हैं। इस दौरान तस्करों के पास धारदार हथियार होते हैं। जिसकी वजह से वनकर्मी भी तस्करों पर कार्रवाई करने से डरते हैं।

मुख्यालय में नहीं रहते रेंजर और वनकर्मी

जंगल की सुरक्षा के लिए तैनात कर्मचारी मुख्यालय में नहीं रहते। जिसका फायदा तस्कर उठा रहे है। ग्रामीणों की मानें तो वन चौकियों पर कभी कभार ही कर्मचारी दिखाई देते है। तस्कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए सिल्लियां निकाल रहे हैं।

इन बीटों में बेतहाशा कटाई

रेंज अधिकारी समेत बीट गार्डों की लापरवाही का फायदा उठा रहे तस्कर बिछुआ के जंगल पर राज कर रहे हैं। जिन पर अधिकारी लगाम नहीं कर पा रहे है। विभागीय सूत्रों की मानें तो बिछुआ के पानाथावड़ी, सुरंगी, गढ़िया, बोरिया के कक्ष क्रमांक- 1510, 1511, 1506, और 1546, 1543, 1544, 1545 में अवैध कटाई की जा रही है।

बेरियर न होने का उठा रहे फायदा

जंगल के प्रवेश मार्ग पर वन विभाग द्वारा बैरियर बनाए जाते हैं, ताकि जंगल से निकलने वाली वन संपदा पर नजर रखी जा सके, लेकिन बिछुआ के जंगल में बैरियर नहीं के बराबर हैं। जिसका फायदा उठाते हुए वन माफिया जंगल से सागौन की लकड़ियों का परिवहन धड़ल्ले से कर रहे हैं।

इनका कहना है

बिछुआ में अवैध कटाई की जानकारी मिलने के बाद तस्करों पर कार्रवाई की जाएगी। रात में गश्ती जारी है।
करिश्मा शेख, रेंजर बिछुआ

किसानों की समस्याओं को लेकर किसान युवा शक्ति की विशाल रैली

अमित सक्सेना बोले-जब मंत्री शिवराज सिंह धरना दे सकते है तो मैं ज्ञापन क्यों नहीं दे सकता...

छिंदवाड़ा। जिला अध्यक्ष छिंदवाड़ा से विवाद के बाद अमित सक्सेना को नोटिस जारी होने के बाद किसानों की यह रैली राजनीतिक दृष्टिकोण से बहुत ही महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि यह सिर्फ अमित सक्सेना ओर किसानों के अस्तित्व की लड़ाई ही नहीं बल्कि लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस से बीजेपी में शामिल हुए आयातीत भाजपा नेताओं के अस्तित्व की लड़ाई भी है। देखना होगा कि क्या भाजपा में कांग्रेस के आयातीत नेता लंबे समय तक अपने अस्तित्व को बनाए रखने में कितने कामयाब हो पाते है। बहरहाल अमित सक्सेना एक कद्दावर किसान नेता है। उनका जनाधार ही किसान है और वे निरंतर किसानों के हित के लिए काम और संघर्ष करते रहे है। इस बीच भाजपा के बैनर तले अपनी ही सरकार को घेरने की बात को लेकर पूरे प्रदेश स्तर के नेताओं में खींचतान मची हुई है। जिला अध्यक्ष का नोटिस का जवाब तो नहीं आया है परंतु रैली निकालकर किसानों के हित में काम करना और अपनी ही सरकार का विरोध करना यह कोई पार्टी विरोधी गतिविधि नहीं बल्कि अपने ही जनाधार को मजबूत करने और किसानों के हित में काम करने की जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित सक्सेना की रणनीति है। देखना होगा कि प्रदेश का भाजपा संगठन इस कृत्य को किस रूप में स्वीकार करता है। बहरहाल आज किसान रैली का आयोजन अमित सक्सेना के नेतृत्व में किया जा रहा है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा



जिले में फसलों के नुकसान और किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर किसान युवा शक्ति संगठन के बैनर तले 13 अक्टूबर को विशाल पदयात्रा एवं ज्ञापन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। संगठन का आरोप है कि बेमौसम बारिश के कारण फसलें बर्बाद हो चुकी हैं, लेकिन सरकारी आंकड़ों में किसानों की वास्तविक स्थिति को सही तरीके से नहीं दर्शाया जा रहा है।

संगठन के अनुसार, अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर सैकड़ों किसान बस स्टैंड मानसरोवर के सामने एकत्रित होंगे। यहां से रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचेंगे और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। किसान युवा शक्ति के बैनर तले दोपहर 11 बजे मानसरोवर बस स्टैंड से विशाल रैली निकाली जाएगी।संगठन ने स्पष्ट किया है कि यह आयोजन किसी पार्टी विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि किसानों की समस्याओं और उनके अधिकारों की आवाज उठाने के लिए किया जा रहा है।

किसानों का आरोप है कि जनसुनवाई अधिकारियों द्वारा जारी बारिश के आंकड़े वास्तविक नुकसान को पूरी तरह नहीं दर्शाते। किसानों ने राहत राशि और फसल बीमा का तत्काल भुगतान करने की मांग की है।

मुआवजा और बिजली समस्याएं प्रमुख मांगेंकिसान युवा शक्ति की 10 सूत्रीय मांगों में माचागोरा बांध के डूब क्षेत्र से प्रभावित किसानों को चार गुना मुआवजा, चौरई क्षेत्र में प्रस्तावित न्यूक्लियर पावर परियोजना से संभावित खतरों का निष्पक्ष आकलन, माचागोरा लिफ्ट इरिगेशन योजना का काम शीघ्र पूरा करना, स्मार्ट मीटर हटाना तथा गांवों में जर्जर सड़कों की मरम्मत प्रमुख रूप से शामिल हैं।

किसानों और ग्रामीणों को राहत नहीं मिली तो धरना-प्रदर्शन व अनशन की दी चेतावनी

उमरेठ-परासिया में बिजली कटौती बंद करने की मांग, विधायक ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ उमरेठ



परासिया विधानसभा क्षेत्र के उमरेठ एवं परासिया ब्लॉक में लगातार हो रही बिजली कटौती के विरोध में क्षेत्रीय विधायक सोहनलाल बाल्मीक के नेतृत्व में विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन सौंपकर तत्काल बिजली कटौती बंद करने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि पिछले दो महीनों से लगातार बिजली कटौती के कारण किसान और ग्रामीण परेशान हैं।

विधायक सोहनलाल बाल्मीक ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि क्षेत्र के ग्रामीणों एवं किसानों द्वारा कई बार विद्युत कटौती की शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। लगातार बिजली बंद रहने से किसानों को अपने खेतों में बोई गई फसलों की सिंचाई करने में परेशानी हो रही है। इससे फसलों को नुकसान पहुंचने और किसानों पर आर्थिक बोझ बढ़ने की आशंका है।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि बिजली की उपलब्धता नहीं होने के कारण किसानों की खेती प्रभावित हो रही है। इस समस्या को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उमरेठ के तत्वावधान में किसानों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में बिजली कटौती बंद करने की मांग गया। विधायक ने चेतावनी दी कि यदि विद्युत विभाग ने तत्काल बिजली कटौती बंद कर किसानों एवं ग्रामीणों को राहत नहीं दी, तो ग्रामीणों और किसानों के साथ मिलकर लिए बाध्य होना पड़ेगा। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों की जिम्मेदारी शासन-प्रशासन एवं विद्युत विभाग की होगी।

ज्ञापन देते समय ये रहे मौजूद

ज्ञापन की प्रतिलिपि जिला कलेक्टर छिंदवाड़ा तथा विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता, परासिया को भी सूचनार्थ भेजी गई है। इस दौरान परासिया विधायक सोहनलाल बाल्मीक के नेतृत्व में आयोजित विरोध प्रदर्शन एवं ज्ञापन सौंपने के दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उमरेठ अध्यक्ष मानक बेलवंशी, जिला पंचायत सदस्य पूनम उइके, जनपद सदस्य राधा साहू, उत्कृष्ट वाल्मिक, महिला कांग्रेस अध्यक्ष सुधा राजपूत, सेवादल अध्यक्ष आरिफ कादरी, यूंका ब्लॉक अध्यक्ष टिंकू साहू, एनएसयूआई अध्यक्ष प्रदीप साहू, नगर कांग्रेस अध्यक्ष हर्षित चौरसिया, जयपाल धुर्वे, माखन धुर्वे, अशोक पवार, द्वारका वंशकार, कृष्णकांत पाल, पार्वती साहू, गूंजा आम्रवंशी, जित्तु प्रजापति, सकरु भलावी एवं सरफराज अंसारी सहित कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता और सैकड़ों की संख्या में किसान एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

उमरानाला पुलिस चौकी को मिला ISO 9001:2015 प्रमाणन

छिंदवाड़ा। जिले की पुलिस व्यवस्था के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि के रूप में थाना मोहखेड़ के अंतर्गत आने वाली पुलिस चौकी उमरानाला को **ISO** 9001:2015 अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि हासिल करने वाली उमरानाला चौकी जिले की पहली और एकमात्र पुलिस चौकी बनी है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में विशेष अवार्ड एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।समारोह में पुलिस अधीक्षक अजय पांडे और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशीष खरे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान **ISO** प्रमाण पत्र का विधिवत अनावरण किया गया। साथ ही चौकी प्रभारी उप निरीक्षक राजेश साहू सहित उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

कलेक्टर ने ली समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक, राजस्व वसूली बढ़ाने के दिए निर्देश

हाइजीन को लेकर होटल, रेस्टोरेंट की जांच लगातार जारी रखें: कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

कलेक्टर हरेंद्र नारायन ने कहा कि हाइजीन को लेकर होटल, रेस्टोरेंट आदि की जांच लगातार जारी रखें और कमियां पाए जाने पर कार्यवाही भी करें। जिला परिवहन अधिकारी स्कूली वाहनों की जांच कर सुरक्षा उपाय सुनिश्चित कराएं। जिला शिक्षा अधिकारी, सभी स्कूलों से इस संबंध में प्रमाण पत्र भी प्राप्त करें। कलेक्टर श्री नारायन सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा् रकरणों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में जिला अधिकारियों को आवश्यक दिशा - निर्देश दे रहे थे। बैठक में सेवा संकल्प अभियान व मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के क्रियान्वयन, सीएम हेल्पलाइन व जनसुनवाई आवेदनों के निराकरण और विभिन्न आयोगों, वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त आवेदनों में की गई कार्यवाही की भी विभागवार विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री अग्रिम कुमार, अपर कलेक्टर श्री धीरेन्द्र सिंह व संयुक्त कलेक्टर श्रीमती अंकिता त्रिपाठी सहित जिला प्रशासन एवं सभी विभागों के जिला अधिकारी कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में उपस्थित थे, जबकि फील्ड के अधिकारी वीसी से जुड़े थे।

अगला सीएम जनविश्वास शिविर 16 को तामिया में

कलेक्टर श्री नारायन ने बताया कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत अगला जनसंवाद एवं जनसमस्या निवारण शिविर ग्राम पंचायत तामिया में आयोजित किया गया है। शिविर के पूर्व तामिया और आस - पास के ग्रामों की शासकीय संस्थाओं का औचक निरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने सभी जिला अधिकारियों को अनिवार्य रूप से इस शिविर में उपस्थित होने और अपनी अधीनस्थ संस्थाओं का निरीक्षण कर प्रतिवेदन परख ऐप में ऑनलाइन दर्ज करने के निदेश दिए हैं।

राजस्व वसूली बढ़ाने के निर्देश

कलेक्टर ने इस वित्तीय वर्ष के 6 माह बीत जाने के बाद भी मांग कायमी के विरुद्ध राजस्व वसूली में अपेक्षाकृत कम प्रगति पर नाराजगी जताई और सभी तहसीलदारों को राजस्व वसूली बढ़ाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री नारायन ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एसआईआर के बाद छूटे हुए और नवीन मतदाताओं के मतदाता सूची में नाम जोड़ने का कार्य अभियान रूप में किया जाना है। सभी रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, अपने बीएलओ के कार्य की मॉनिटरिंग करें और छूटे हुए मतदाताओं की सूची बूथ लेवल एजेंट को शीघ्र उपलब्ध कराएं। मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए फॉर्म 6 के साथ किसी तरह का घोषणा पत्र नहीं भरना है। इस बारे में व्यापक जागरूकता फैलाएं और छूटे हुए और नव, सभी मतदाताओं के नाम जोड़ने की कार्यवाही करें।

कलेक्ट्रेट से तहसील तक तबादलों की चर्चा तेज, वर्षों से जमे कर्मचारियों की समीक्षा कब?



तबादला सूची में कुछ ही नाम शामिल, वर्षों से एक ही जगह जमे कई कर्मचारी अब भी बरकरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

कलेक्ट्रेट और तहसील कार्यालय में बाबुओं के तबादलों को लेकर प्रशासनिक गलियारों में चर्चाएं तेज हैं। हाल ही में जारी तबादला सूची में कुछ कर्मचारियों को इधर से उधर किया गया, लेकिन कई ऐसे नाम सूची से गायब हैं, जो वर्षों से एक ही स्थान पर पदस्थ हैं। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि आखिर तबादले का आधार क्या रहा और कुछ कर्मचारियों को राहत क्यों मिली?

हरिभूमि ने पूर्व में भी लंबे समय से एक ही स्थान पर जमे बाबुओं और सरकारी कार्यालयों की कार्यप्रणाली को लेकर खबरों का प्रकाशन किया है। तहसील से लेकर कलेक्ट्रेट तक सरकारी कामकाज में बाबुओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। राजस्व प्रकरणों की फाइलों, रिकॉर्ड संधारण और आम नागरिकों के आवेदनों से जुड़े कार्यों में इनकी जिम्मेदारी अहम होती है। ऐसे में वर्षों तक एक ही शाखा या स्थान पर पदस्थ रहने वाले कर्मचारियों की समीक्षा जरूरी है।

कुछ हटे, कई अब भी अपनी जगह पर

हालिया तबादला सूची के बाद **भीम अहिरवार, देवेंद्र अहिरवार, अखिलेश निर्मलकर, दीपक मालवीय और सतीश** सहित कुछ कर्मचारियों की पदस्थापना को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इन कर्मचारियों को लेकर शिकायतों और लंबे समय से एक ही स्थान पर बने रहने की स्थिति पर चर्चा हो रही है। सवाल यह है कि यदि प्रशासन का उद्देश्य व्यवस्था में सुधार करना है, तो सभी कर्मचारियों की पदस्थापना की समीक्षा समान रूप से क्यों नहीं की गई? हालांकि, संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध शिकायतों की स्थिति और उन पर हुई कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि आवश्यक है। केवल शिकायत के आधार पर किसी को दोषी नहीं माना जा सकता, लेकिन शिकायतों की निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई प्रशासन की जिम्मेदारी है।

क्या चुनिंदा कर्मचारियों पर ही कार्रवाई

तबादला सूची को लेकर यह चर्चा भी है कि कुछ कर्मचारियों को हटाया गया, जबकि अन्य को यथावत रखा गया। यदि स्थानांतरण का उद्देश्य लंबे समय से एक ही जगह जमे कर्मचारियों को हटाना था, तो इसके लिए स्पष्ट और समान मापदंड होने चाहिए। पदस्थापना की अवधि, कार्यालयीन आवश्यकता और शिकायतों की जांच जैसे पहलुओं के आधार पर निर्णय लिए जाने चाहिए।

व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो उठेंगे सवाल

तहसील कार्यालय में आम नागरिकों के नामांतरण, सीमांकन और राजस्व प्रकरणों से जुड़े काम होते हैं। ऐसे में तबादलों का वास्तविक उद्देश्य कामकाज में तेजी लाना और लोगों को राहत देना होना चाहिए। यदि कर्मचारियों के स्थानांतरण के बाद भी कामकाज में सुधार नहीं होता और नागरिकों को कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं, तो प्रशासन को व्यवस्था की दोबारा समीक्षा करनी होगी। अब सवाल यह है कि वर्षों से एक ही जगह पदस्थ कर्मचारियों को बनाए रखने के पीछे क्या प्रशासनिक कारण हैं? जिला प्रशासन को तबादला सूची के मापदंड स्पष्ट करने के साथ लंबित शिकायतों की निष्पक्ष जांच करानी चाहिए। आखिरकार, मुद्दा किसी कर्मचारी विशेष को निशाना बनाने का नहीं, बल्कि सरकारी कार्यालयों में पारदर्शिता, जवाबदेही और आम जनता को बेहतर सेवाएं दिलाने का है।

ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी के साथ हुआ माता रानी का स्वागत

दुर्गा पंडालों में विधि-विधान से स्थापित हुईं प्रतिमाएं



हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

शरदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर पूरा तामिया नगर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया है। नगर में जगह-जगह मां दुर्गा की प्रतिमाओं की स्थापना प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी की जा रही है।

आकर्षक साज-सज्जा से दुर्गा पंडाल सजकर तैयार हो चुके हैं और एक दिन पूर्व से ही माता रानी की प्रतिमाओं का आगमन शुरू हो गया। प्रतिमाओं को गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी के साथ पंडालों तक ले जाया गया। इस दौरान श्रद्धालु भक्ति गीतों की धुन पर नाचते-गाते हुए माता रानी की अगवानी करते नजर आए।

नगर में बीती रात खेड़ापति माता मंदिर एवं ब्लॉक दुर्गा उत्सव समिति की प्रतिमाओं का भव्य आगमन हुआ। ब्लॉक दुर्गा उत्सव समिति के सदस्यों और भक्तों ने माता रानी के स्वागत के लिए जोरदार तैयारियां की थीं। माता की आगवानी के दौरान ढोल-नगाड़ों, डीजे और आतिशबाजी से माहौल उत्साहपूर्ण हो गया। ब्लॉक कॉलोनी में माता रानी के स्वागत के लिए मंदिर के सामने आकर्षक रोशनी और आतिशबाजी की गई।

दुर्गा मंदिरों में उमड़ रही है माता रानी के भक्तों की भीड़



सौंसर। सौसर नगर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में नवरात्र महोत्सव का आगाज हो चुका है।सुबह से लेकर देर रात तक माता के मंदिरों में भीड़ उमड़ रही है, खासतौर पर सौसर नगर के भवानी माता मंदिर, पुलिस थाना परिसर में बने हुए जय माता दी मंदिर, और सावता चौक में बने हुए दुर्गा मंदिर के साथ ही सिलेवानी घाटी शुरू होने के पूर्व लगने वाले बंजारी माता मंदिर में मेले जैसा माहौल है। नगर में विभिन्न स्थानों पर गरबा की भी धूम मची हुई है।सुबह से लेकर देर रात तक भक्तों की लाइन लगी हुई है वही भवानी माता मंदिर में नौ दिनों तक भंडारा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। छिंदवाड़ा मार्ग पर लगने वाली छोटी बंजारी एवं बड़ी बंजारी माता मंदिर में सुबह 5 बजे की आरती के लिए सौसर के अलावा बड़ी संख्या में महाराष्ट्र से भक्ति पहुंचकर आरती का पुण्य लाभ ले रहे हैं। बंजारी माता मंदिर ट्रस्ट कमेटी अध्यक्ष मोरेश्वर धुर्वे ने चर्चा के दौरान बताया कि इस वर्ष मंदिर में 100 से अधिक मनोकामना कलशों की स्थापना की गई है।

भाजपा कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में हुआ पौधारोपण बना चर्चा का विषय

सेवा पर्व में पौधारोपण का शोर, जंगलों में सरई कटाई पर सवाल!

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

वन संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सेवा पर्व अभियान के बीच तामिया वन परिक्षेत्र में पौधारोपण और जंगलों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। तामिया रेंज की तामिया बीट में पूर्व में कैंपा मद से हजारों पौधे लगाए जाने की बात कही जा रही है, लेकिन स्थानीय स्तर पर आरोप है कि आज वन भूमि में इन पौधों में से गिनती के पौधे ही नजर आते हैं। दूसरी ओर, इसी क्षेत्र में सरई के पेड़ों की कटाई लगातार होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि वन विभाग पौधारोपण पर जोर दे रहा है, लेकिन पहले से मौजूद प्राकृतिक जंगलों को बचाने के लिए कितने प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।





जांच और जवाबदेही तय करने की जरूरत: तामिया में एक ओर पौधारोपण अभियान चल रहा है, वहीं दूसरी ओर प्राकृतिक जंगलों में सरई के पेड़ों की कटाई की शिकायतें सामने आ रही हैं। ऐसे में वन विभाग को पूर्व में कैंपा मद से लगाए गए पौधों की वर्तमान स्थिति का भौतिक सत्यापन कराना चाहिए। साथ ही वल्चर पॉइंट क्षेत्र में पेड़ों की कटाई की जांच कराकर जिम्मेदार लोगों पर नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।अब सवाल यह है कि वन विभाग पौधारोपण के आंकड़ों पर जोर देगा या प्राकृतिक जंगलों को बचाने के लिए प्रभावी निगरानी भी सुनिश्चित करेगा? तामिया की हरियाली और प्राकृतिक सुंदरता बनाए रखने के लिए जरूरी है कि नए पौधे लगाने के साथ पुराने पेड़ों की सुरक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

पौधारोपण से ज्यादा जरूरी पुराने जंगलों की सुरक्षा

तामिया का प्राकृतिक सौंदर्य यहां के घने जंगलों और हरियाली के कारण पहचाना जाता है। यदि पहले से मौजूद पेड़ों को सुरक्षित रखा जाए, तो पर्यावरण संरक्षण के लिए बड़े पैमाने पर नए पौधे लगाने की जरूरत भी काफी हद तक कम हो सकती है। इसके बावजूद जलाऊ लकड़ी के नाम पर कथित अवैध कटाई होने के आरोप वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहे हैं।विशेष रूप से वल्चर पॉइंट क्षेत्र के जंगल में सरई के पेड़ों की कटाई को लेकर चिंता जताई जा रही है। स्थानीय स्तर पर वन अमले की निगरानी और जिम्मेदारी को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि मैदानी कर्मचारियों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं होने के कारण जंगलों में कटाई पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि और संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने आना बाकी है।

पौधारोपण की गुणवत्ता पर भी सवाल

हाल ही में भाजपा कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में किए गए पौधारोपण को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। आरोप है कि रोपित किए गए पौधे निर्धारित मानकों के अनुरूप पर्याप्त बड़े नहीं हैं। इसके अलावा पौधारोपण के लिए खोदे गए गड्ढों के आकार, खाद के उपयोग और दीमक से बचाव के लिए आवश्यक दवा डालने जैसी व्यवस्थाओं पर भी सवाल खड़े किए गए हैं।यदि पौधारोपण निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुसार नहीं किया गया और बाद में पौधों की देखभाल नहीं हुई, तो उनके जीवित रहने की संभावना प्रभावित हो सकती है। ऐसे में पौधारोपण अभियान की सफलता केवल पौधे लगाने से नहीं, बल्कि उनके संरक्षण और नियमित निगरानी से सुनिश्चित होगी।

स्व सहायता समूह एवं रसोईयां ने एसडीएम किरनापुर को मांगों का सौंपा ज्ञापन



हरिभूमि न्यूज किरनापुर। जनपद पंचायत किरनापुर के प्रांगण में विकस खण्ड स्तरीय स्व. सहायता समूह व रसोइयों ने अपनी मांगों को लेकर किरनापुर एसडीएम कमलचन्द सिहसार को ज्ञापन सौंपा।प्रधानमंत्री शक्ति पोषण आहार योजना अंतर्गत स्कूल एवं आंगनबाड़ी केंद्र में मध्यान्ह भोजन एवं सांझा चूल्हा के अंतर्गत बच्चों को समूह के द्वारा भोजन प्रदान करना,सब्जी, सामग्री की राशि एवं रसोइयों के मानदेय के राशि 4 महीने से शासन के द्वारा प्राप्त होने से समूह एवं रसोइयों के द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल करने का निर्णय लिया। एवं शासन के द्वारा तत्काल राशि का भुगतान नहीं किए जाने पर अन्य 12 अक्टूबर 2026 दिन सोमवार को तहसील के सामने आंदोलन कर स्कूल में मध्यान्ह भोजन का कार्य बंद किया गया समूह की अध्यक्ष श्रीमती पटले ने बताया कि शासन प्रशासन को इस बात का विगत दिनों से अवगत कराया गया लेकिन आज दिनांक तक 4 माह की राशि एवं मध्यान भोजन एवं रसोइयों की मानदेय राशि प्राप्त है। भोजन एवं रसोइयों को भारी समस्या एवं पीड़ा हो रही है ग्रामीण पंचायत विभाग एवं जिला पंचायत बालाघाट के द्वारा 4 महीने हो जाने के बाद भी मध्यान भोजन संचालक एवं रसोईया को मानदेय राशि का भुगतान नहीं किया गया है ।जिससे आर्थिक एवं सामाजिक मानसिक पीड़ा उत्पन्न हो रही है। जिससे मध्यान भोजन संचालन का कार्य बंद कर अ निश्चितकालीन हड़ताल करने एवं धरने पर बैठने का निर्णय लिया वे अनिश्चितकालीन हड़ताल एवं प्रदर्शन कर रहे हैं इनकी प्रमुख मांगे रसोईया बहनों एवं समूह संचालकों को प्रतिमा निर्धारित तारीख एक से 15 तक मानदेय प्राप्त होना ,एमडीएम संचालकों बच्चों की उपस्थिति के अनुसार 90% खदान एवं राशि प्राप्त किया जाना, माह जून 15 दिनों के राशि रसोईया बहनों को मिलनी चाहिए , सांझा चूल्हा के अंतर्गत रसोईया बहनों को □500 दिया जा रहा है उन रसोइयों भाइयों बहनों को कम से कम □2000 प्रति माह मिलना चाहिए ,चार माह की राशि रसोईया बहनों एवं संचालकों को नहीं मिली है वह राशि तत्काल दिया जाए ,एमडीएम एवं सांझा चूल्हा में महंगाई को मद्देनजर रखकर प्रति थाली □20 दिया जाए ,इन सभी मांगों को लेकर एसडीएम अनुविभागीय अधिकारी सम्माननीय कमलचंद सिंहसार को ज्ञापन शोप कर अवगत कराया गया।

इसकी उपस्थिति सविता वासनिक, राजकुमारी नागेश्वर,सूर्यवंशी जमाहे ,गीताबाई यादव, ममता पन्द्रे ,लता संयाम, गीता क्षीरसागर, और भी अन्य रसोईया एवं स्व सहायता समूह की महिलाएं हजारों की संख्या में शामिल हुई।

ऊंचे पहाड़ों की चोटी पर विराजित माता घाट मंदिर 153 ज्योतों से जगमगाया

घने जंगलों, दुर्गम पहाड़ी रास्तों और प्राकृतिक सौंदर्य के बीच स्थित है मां का प्राचीन दरबार; मध्यप्रदेश के साथ महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ से भी दर्शन करने पहुंचते हैं श्रद्धालु, नवरात्र में जयकारों से गूंज उठता है पूरा क्षेत्र





हरिभूमि न्यूज लांजी। शारदीय नवरात्र पर्व के अवसर पर लांजी क्षेत्र के ग्राम नंदेरा के समीप ऊंचे पहाड़ों की चोटी पर विराजित प्रसिद्ध माता घाट मंदिर 153 ज्योतों की रोशनी से जगमगा उठा है। घने जंगलों, ऊंची पहाड़ियों और प्राकृतिक सौंदर्य से घिरे इस प्राचीन मंदिर में नवरात्र के दौरान श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत वातावरण देखने को मिलता है। दुर्गम रास्तों और कठिन चढ़ाई के बावजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता रानी के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। मंदिर परिसर में गूंजते माता के जयकारे पूरे पहाड़ी क्षेत्र को भक्तिमय बना देते हैं।लांजी मुख्यालय से लगभग 22 किलोमीटर दूर स्थित माता घाट मंदिर अपनी धार्मिक मान्यताओं, प्राचीन इतिहास और प्राकृतिक सुंदरता के लिए विशेष पहचान रखता है। ग्राम सुलसुली से भी मंदिर तक पहुंचने के लिए लगभग 12 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता है। पहाड़ की ऊंची चोटी पर स्थित मां के दरबार तक पहुंचने का रास्ता आसान नहीं है, लेकिन माता रानी के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था उनकी कठिन यात्रा को भी आसान बना देती है।

दुर्गम रास्ते भी नहीं रोक पाते श्रद्धालुओं के कदम: माता घाट मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सुलसुली से कुछ दूरी तक रास्ता ठीक है, लेकिन आगे बढ़ने पर गड्ढों, पत्थरों, चट्टानों, कीचड़ और दलदली रास्तों से होकर गुजरना पड़ता है। इसके बावजूद मां के भक्त पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ पहाड़ी चोटी तक पहुंचते हैं।श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अब इस मार्ग पर पक्की सड़क का निर्माण कार्य भी प्रारंभ हो चुका है। सड़क बनने से आने वाले समय में मंदिर तक पहुंचना आसान होने की उम्मीद है। इससे न केवल स्थानीय श्रद्धालुओं को राहत मिलेगी, बल्कि महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ सहित अन्य क्षेत्रों से आने वाले भक्तों को भी सुविधा होगी।

महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ से भी पहुंचते हैं भक्त: माता घाट मंदिर केवल लांजी क्षेत्र ही नहीं, बल्कि आसपास के जिलों और दूसरे राज्यों के श्रद्धालुओं के बीच भी आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ से भी बड़ी संख्या में भक्त मां के दर्शन करने पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि माता रानी के दरबार में सच्चे मन से मांगी गई मनोकामना पूर्ण होती है। इसी आस्था के चलते इस मंदिर को क्षेत्र में सिद्धस्थल के रूप में भी जाना जाता है।स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, माता घाट मंदिर कई वर्षों पुराना है और इसे प्राचीन राजाओं के समय से जुड़ा हुआ माना जाता है। मंदिर का ऐतिहासिक महत्व और धार्मिक आस्था इसे विशेष पहचान प्रदान करते हैं। नवरात्र के दिनों में यहां पहुंचने वाले श्रद्धालु मां के दर्शन के साथ प्राकृतिक वातावरण का भी आनंद लेते हैं।

घने जंगलों के बीच प्राकृतिक सौंदर्य का अनूठा संगम: चारों ओर फैले घने जंगल, ऊंची पहाड़ियां और पहाड़ी क्षेत्र से बहती नदी माता घाट मंदिर की सुंदरता को और बढ़ा देती है। शांत वातावरण और हरियाली के बीच स्थित यह मंदिर श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति का अनुभव कराता है। मंदिर की चोटी पर पहुंचने के बाद चारों ओर दिखाई देने वाला प्राकृतिक दृश्य मन को आकर्षित करता है।श्रद्धालुओं के अनुसार, पहाड़ों और जंगलों के बीच स्थित माता घाट मंदिर का वातावरण इतना मनमोहक है कि यहां पहुंचने पर वैष्णो देवी धाम जैसी अनुभूति होती है। दुर्गम रास्तों से होकर मंदिर तक पहुंचना भले ही चुनौतीपूर्ण हो, लेकिन मां के दरबार में पहुंचने के बाद श्रद्धालु अपनी थकान भूलकर भक्ति में लीन हो जाते हैं।

बालाघाट, पन्ना, तमिलनाडु एवं हैदराबाद चारो ही टीमे एक- एक अंक प्राप्त कर रहीं बराबरी पर

आज होगा मध्य प्रदेश, आसाम व छत्तीसगढ़ के बीच जंगी मुकाबला



हरिभूमि न्यूज उकवा। मॉयल लिमिटेड सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति के तत्वाधान में 65 वां मॉयल सार्वजनिक दुर्गा उत्सव के महोत्सव के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अखिल भारतीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 11 अक्टूबर 2026 से मॉयल ग्राउंड उकवा खान मे कराया जा रहा है जिसमें प्रथम पुरस्कार एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह रुपए एवं विजेता ट्रॉफी इसी तरह द्वितीय पुरस्कार पचपन हजार पांच सौ पचपन रु एवं रनर ट्रॉफी विजेता एवं उपविजेता टीम को प्रदान की जाएगी टूर्नामेंट का शुभारंभ संरक्षक श्री उमाकांत भुजाडे अभिकर्ता एवं महाप्रबंधक के मार्गदर्शन में मुख्य अतिथि श्री निषाद निकोंसे खान प्रबंधक उकवा विशिष्ट अतिथि श्री जयंत प्रधान विवेक महाकालकर रूपेश कुमार इंस्पेक्टर सीआरपीएफ रुपझर जेम्स बारिक सर्व धर्म सेवा समिति अध्यक्ष के द्वारा किया गया टूर्नामेंट के दूसरे दिन का पहला मैच आर टी बॉयज हैदराबाद एवं तमिलनाडु पुलिस चेन्नई के मध्य खेला गया जिसमे दोनो ही टिमे अपने निर्धारित समय तक 0-0 की बराबरी पर रहकर एक -एक अंक प्राप्त किया। इसी तरह टूर्नामेंट का दूसरा मैच मॉयल इलेवन बालाघाट एवं बिल्ड अप स्पोर्ट्स फाउंडेशन पन्ना के मध्य खेला गया जिसमें दोनों ही टीम में एक-एक गोल दाग कर एक-एक अंक प्राप्त किया । टूर्नामेंट के विशेष अतिथि विशाल सालुंखे, संदीप मरकाम, ओमेंद्र बिसेन, टेक्निकल कमेटी से अजय बडोले बी कोटेश्वर राव, आकाश मोडे, टूर्नामेंट के सह सचिव विनय टांडी, प्रीतम यादव, राजेश खोबरागड़े, टीपी सहनी धर्मेंद्र मेश्राम सूरज यादव महिला व्यवस्था समिति श्रीमती सुनीता तिर्की सरस्वती ब्रम्हे रेखा बाघ कुमारी योगेश्वरी यादव चिकित्सा समिति डॉक्टर विजय नरवाडे डॉक्टर श्रीमती जय श्री नरवाडे हेमंत बाग व्यवस्था समिति से अंकित निनावे रविंद्र डहरवाल प्रवीण नायर कृष्ण कटौते रविदास टांडिया दिलीप नागोसे शिवप्रसाद चौधरी मुकेश मरकाम दर्शन दीप मरकाम मनोज साठे जोसेफ नाग, अशोक साहू, राजकुमार नेताम, कोमल पंद्रे, रूपेश हिरवानी, दीपक कुमरे, दिनेश सिंह, राजा करिया गुरु रोशन भालेंद्र, ओमप्रकाश डोमने गोपेश हिरवानी एवं टेकचंद मदनकर आज खेले जाने वाला पहला मैच रगिया टाउन क्लब रगिया आसाम एवं मॉयल बॉयज उकवा के मध्य खेला जाएगा। इसी तरह आज का दूसरा मैच आर के एम नारायणपुर छत्तीसगढ़ एवं नेशनल फुटबॉल क्लब महू इंदौर के मध्य खेला जाएगा आज रात्रि में आर्केस्ट्रा संबलपुरी उड़ीया कार्यक्रम साजन सोना की रंगारंग प्रस्तुति दी गई । आज दी जाएगी स्थानीय स्कूली बच्चों के द्वारा डांस कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुती।अंजल सिग ठाकुर मैच कमिश्नर इन मैचो के मुख्य निर्णायक गोविंद परमार इंदौर कपिल पंद्रे उकवा शाहरुख खान टीकमगढ़ विकास वडकडे अंम्बुज गुप्ता अनूपपुर रोहित यादव तरुण चक्रवर्ती ने निर्णायक की मुख्य भूमिका निभाई।

पानीपत से लाए मुकुट की की गई पूजा अर्चना

दशहरे के दिन दीपम शुक्ला पहनेंगे हनुमान का चोला

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।



नगर के श्रीराम मंदिर में 11 अक्टूबर को मां अंजनी पुत्र सेवा दल वारासिवनी के तत्वावधान में भगवान हनुमान जी महाराज के स्वरूप की स्थापना विधि विधान से की गई। इस अवसर पर पानीपत से लाए गए हनुमान जी के मुकुट की पूजा अर्चना कर उसे स्थापित किया गया। इसके बाद मां भगवती की स्थापना कर जवारे बोए गए और मनोकामना घट प्रज्वलित किया गया।

विधि विधान से आरती पूजन के उपरांत ढोल बाजे के साथ रैली निकाली गई, जो नगर की ग्राम देवी माता शीतला के दर्शन के लिए पहुंची। पूरे आयोजन में श्रद्धा और भक्ति का माहौल रहा। नगर के युवाओं के द्वारा गठित मां अंजनी पुत्र सेवा दल ने धार्मिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए दशहरे पर भगवान हनुमान जी का स्वरूप धारण कर चल समारोह में शामिल होने की पहल की है। इस वर्ष यह आयोजन चौथी बार किया जा रहा है।

दशहरे के दिन नगर के दीपम शुक्ला हनुमान जी का स्वरूप धारण कर चल समारोह में शामिल होंगे, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेगा। हनुमान जी का स्वरूप धारण करने के लिए दीपम शुक्ला द्वारा निर्धारित धार्मिक नियमों और ब्रह्मचर्य का पालन किया जा रहा है। उन्होंने गुरु पूर्णिमा से ही पाठ प्रारंभ कर दिया था। वहीं दशहरे से 40 दिन पूर्व उन्होंने नगर के विभिन्न मंदिरों में दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया था । इसके बाद वे श्रीराम मंदिर में निवास कर तपस्या और धार्मिक अनुष्ठानों में संलग्न हैं। सेवा दल के सदस्यों के अनुसार इस परंपरा का उद्देश्य नगर में धार्मिक आस्था और भक्ति की भावना को प्रोत्साहित करना है।

सेवा दल सदस्यों ने बताया कि हनुमान जी के स्वरूप की स्थापना के साथ मां भगवती की आराधना भी प्रारंभ की गई है। दशहरे के दिन हनुमान जी का स्वरूप चल समारोह में शामिल होगा। इसके अगले दिन श्रीराम मंदिर में राजतिलक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। वहीं 28 अक्टूबर को जय स्तंभ चौक पर शाम के समय सुप्रसिद्ध भजन गायक किशन भगत के द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है। स्थापना एवं पूजन कार्यक्रम के दौरान मां अंजनी पुत्र सेवा दल के पदाधिकारी और सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

कोतवाली पुलिस की गौ-तस्करों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

ग्वालियर से नागपुर जा रहा कंटेनर पकड़ा, 70 गौवंश क्रूरता से मुक्त - 01 आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज सिवनी। पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा तथा नगर पुलिस अधीक्षक चंचलेश मरकाम के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस द्वारा अपराधों की रोकथाम एवं अवैध गतिविधियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। दिनांक 05/10/2026 को प्रातः करीब 10 बजे मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक कंटेनर में बड़ी संख्या में गौवंश को क्रूरतापूर्वक भरकर ग्वालियर से सागर-नरसिंहपुर-सिवनी होते हुए नागपुर कत्लखाने ले जाया जा रहा है।

सूचना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल टीम गठित कर छिंदवाड़ा ब्रिज के ऊपर नाकाबंदी की गई। कुछ देर बाद मुखबिर द्वारा बताए हुलिये का कंटेनर क्रमांक रू॥ 46 ष्ठरु 0755 आता दिखा, जिसे रोककर चेक किया गया।

कंटेनर के अंदर कुल 70 नग गौवंश (नाटा) मिले, जिनकी गर्दन, मुंह एवं पैरों को रस्सियों से बांधकर अत्यंत क्रूर एवं निर्दयतापूर्वक ठूंस-ठूंसकर भरा गया था। वाहन में गौवंश के लिए चारा, भूसा, पानी एवं पर्याप्त रोशनी/हवा की कोई व्यवस्था नहीं थी। कई गौवंश अचेत अवस्था में मिले। पुलिस द्वारा तत्परता से कार्रवाई करते हुए 70 गौवंश को मुक्त कराकर परिवहन में प्रयुक्त कंटेनर को विधिवत जप्त किया गया। मामले में आरोपी चालक के विरुद्ध म.प्र. गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम की धारा 4, 6, 9, म.प्र. कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 6, 7, पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11(1)(घ) तथा मोटर व्हीकल एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर कार्रवाई की जा रही है। जप्त गौवंश को पुलिस सुरक्षा में दयोदय जीव रक्षा संस्थान, बींझावाड़ा में सुरक्षित रखवाया गया है तथा जप्त वाहन को रक्षित केंद्र सिवनी में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया है।

गौरव का क्षणः राज्य स्तर पर चयन

हरिभूमि न्यूज सिवनी। पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बादलपार की कक्षा 8वीं की छात्रा कु. जिया शरणागत, पिता श्री दिनेश शरणागत जी, का मोगली प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर चयन होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।जिया की इस शानदार उपलब्धि में उनकी मार्गदर्शक श्रीमती रुकसार निशा मैडम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर प्रभारी प्राचार्य महोदय श्री डहरवाल जी, प्रधानपाठक श्री केदार बिसेन जी एवं समस्त शाला परिवार की ओर से कु. जिया शरणागत को बहुत-बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं। कु. जिया शरणागत के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। ईश्वर उन्हें निरंतर सफलता प्राप्त करने एवं नई ऊंचाइयों को छूने का आशीर्वाद प्रदान करें।आपकी यह उपलब्धि विद्यालय, परिवार एवं पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है।

संबल योजना के तहत मृतकों के परिजनों को अंत्येष्टि सहायता राशि वितरित

हरिभूमि न्यूज सिवनी। संबल योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को शासन द्वारा प्रदान की जाने वाली अंत्येष्टि सहायता राशि का ग्राम पंचायत कान्हीवाड़ा में मृतकों के परिजनों को नगद भुगतान किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कसाई टोला निवासी प्रदीप की मृत्यु के पश्चात उनकी पत्नी तथा नवोदय नगर निवासी अफसाना खान की मृत्यु के बाद उनके पति को संबल योजना के तहत अंत्येष्टि सहायता राशि प्रदान की गई।

ग्राम पंचायत कान्हीवाड़ा के जनप्रतिनिधियों उपसरपंच अब्दुल माजिद उर्फ शहजादे एवं पंच अधिवक्ता मोहम्मद यामीन उर्फ आगा खान एवं लिपिक शफीक राज द्वारा दोनों मृतकों के परिजनों को शासन की ओर से मिलने वाली सहायता राशि प्रदान की गई। जनप्रतिनिधियों ने बताया कि संबल योजना शासन की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है, जिसके माध्यम से पात्र श्रमिक परिवारों को परिवार के सदस्य की मृत्यु जैसी विपरीत परिस्थिति में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

छिंदवाड़ा-सिवनी नेशनल हाईवे पर भीषण सड़क हादसे में एक की मौत कई घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

जिले के कोतवाली थाना अंतर्गत छिंदवाड़ा-सिवनी नेशनल हाईवे पर मंगलवार सुबह करीब 4.45 बजे एक भीषण सडक़ हादसा हो गया। बम्होड़ी पेट्रोल पंप के पास भोपाल से बालाघाट जा रही यात्रियों से भरी सूत्र सेवा बस सडक़ के गड्ढे और ढलान के कारण अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे पलट गई।

बस के नीचे दबने से एक यात्री की मौत

हादसे में बस के नीचे दबने से एक यात्री की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 10 यात्री घायल हुए हैं। इनमें पांच यात्रियों को गंभीर चोटें आई हैं। मृतक की अभी पहचान नहीं हो सकी है। सूत्र सेवा बस क्रमांक एमपी 04 पीए 3660 सिवनी पहुंचने से पहले ही दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बताया गया कि बस में कुल 32 यात्री सवार थे। अचानक बस का संतुलन बिगडऩे के बाद वह पलट गई और यात्रियों में चीख-पुकार मच गई।



पुलिस और स्थानीय लोगों ने यात्रियों को निकाला हादसे की सूचना मिलते ही डायल-112 के साथ कोतवाली, ल नवाड़ा अं बंडोल थाना पुलिस काकोतवाली, लखनवाड़ा और बंडोल थाना पुलिस का बल मौके पर पहुंचा। पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों ने बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला और एंबुलेंस सहित अन्य वाहनों से जिला चिकित्सालय पहुंचाया।

बालाघाट के सबसे ज्यादा यात्री

जानकारी के अनुसार बस में 21 यात्री बालाघाट, 5 वारासिवनी और 4 यात्री सिवनी के बताए गए हैं। घायलों में विवेक पटेल (28), महेश गडेल (41), राहुल नागेश्वर (30), शैलेंद्र मरावी (30), बृजेश बिसेन (35), पियूस धुर्वे (30), प्रीति (27), आंचल मढ़लेकर (27) और संयोगिता श्रीवास्तव (48) सहित अन्य यात्री शामिल हैं। घायलों का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

गड्ढे और ढलान से बिगड़ा बस का संतुलन

प्रारंभिक जानकारी में हादसे की वजह हाईवे पर मौजूद गड्ढा और ढलान बताई जा रही है। हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि पुलिस की जांच के बाद ही होगी। कोतवाली टीआई सतीश तिवारी ने बताया कि बस के पलटने से एक यात्री की मौत हुई है। मृतक की पहचान कराई जा रही है और घायलों का उपचार जारी है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

केवलारी विधानसभा क्षेत्र के छपारा क्षेत्र में तेज हवा और बारिश से प्रभावित मक्का फसल का जायजा लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।



गत 5 अक्टूबर को क्षेत्रीय व केवलारी विधायक ठाकुर रजनीश हरवंश सिंह ने देवरी, सरंडिया, कड़वी, गोरखपुर, अंजनीया , चंडी, खापा, भीमगढ़, बिलकता, बेरबंद, गंगई, सुकरी, मसूरभावरी, सरेखा टोला, पायली, महुआ टोला, बीहीरिया, चमनपुरी, प्रतापगढ़, सिमरिया, गुदना, जूनपानी, जमुनपानी एवं छपारा सहित विभिन्न ग्रामों में पहुंचकर प्रभावित किसानों से मुलाकात की। उन्होंने खेतों में जाकर गिरी हुई मक्का की फसल का निरीक्षण किया और किसानों से फसल को हुए नुकसान की विस्तृत जानकारी ली। किसानों ने बताया कि तेज हवा और बारिश के कारण बड़ी मात्रा में मक्का की खड़ी फसल खेतों में गिर गई है, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। विधायक ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उन्हें हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस दौरान मौके पर उपस्थित तहसीलदार सौरभ मरावी, सी.ओ. जनपद पंचायत छपारा रविन्द्र मीणा,आरआई, पटवारी, कृषि विभाग एवं बीमा कंपनी के अधिकारियों से चर्चा कर प्रभावित क्षेत्रों में फसल क्षति का उचित, निष्पक्ष एवं वास्तविक सर्वे कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सर्वे के दौरान प्रत्येक प्रभावित किसान की फसल क्षति का सही आकलन किया जाए और किसी भी पात्र किसान का नाम सर्वे से छूटना नहीं चाहिए। विधायक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रभावित किसानों को शासन के नियमानुसार मुआवजा एवं फसल बीमा राशि का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई शीघ्र पूरी की जाए। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा के कारण किसानों को हुए नुकसान को देखते हुए प्रशासन द्वारा संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाना आवश्यक है। किसानों की मेहनत और उनकी फसल का नुकसान बेहद चिंता का विषय है। किसानों के हितों की अनदेखी नहीं होने दी जाएगी। फसल क्षति का निष्पक्ष आकलन कराकर प्रभावित किसानों को नियमानुसार राहत और बीमा का लाभ दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे।

पत्रकार से मारपीट के आरोप में एसपी से कार्रवाई की मांग

श्रमजीवी पत्रकार परिषद ने सौंपा ज्ञापन चौकी प्रभारी पर भी लगाए गंभीर आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

कुरई क्षेत्र में पत्रकार के साथ कथित मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी के मामले में राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद जिला इकाई सिवनी ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच एवं दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

परिषद के कुरई ब्लॉक अध्यक्ष एवं दैनिक भास्कर तथा संवाद कुंज के रिपोर्टर बिहारीलाल सोनी के अनुसार, 2 अक्टूबर को समाचार प्रकाशन से नाराज होकर अशोक शरणागत, दिनेश शरणागत एवं तुषार शरणागत उनके घर के गेट के अंदर पहुंचे और उनके साथ कथित रूप से झूमाझटकी, मारपीट एवं गाली-गलौज की। आरोप है कि इस दौरान उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई।

मामले की शिकायत चौकी बादलपार में की गई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि वहां चौकी प्रभारी इंजन सिंह मर्सकोले द्वारा एससी-एसटी एक्ट में फंसाने की धमकी दी गई तथा एफआईआर दर्ज करने के स्थान पर एनसीआर दर्ज की गई।

मामले को लेकर राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के जिला प्रतिनिधिमंडल ने जिला अध्यक्ष शरद दुबे के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। पत्रकारों के अनुसार, पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए चौकी प्रभारी को फटकार लगाई और एसडीओपी को जांच कर उचित कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने एसडीओपी ललित गठरे से भी फोन पर चर्चा कर मामले को गंभीरता से लेने की बात कही। इसके बाद पत्रकार बिहारीलाल सोनी ने कुरई पहुंचकर एसडीओपी ललित गठरे से मुलाकात की। एसडीओपी ने मामले की जांच कर उचित दंडात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

ज्ञापन सौंपने वालों में जिला अध्यक्ष शरद दुबे, उपाध्यक्ष सतीश शर्मा (दैनिक भास्कर), हिमांशु कौशल (संपादक, संवाद कुंज), प्रदीप धोगड़ी (दैनिक भास्कर), सूर्यकांत विश्वकर्मा, प्रशांत शुक्ला, लोकेश उपाध्याय, संजय अग्रवाल (नई दुनिया), गोपाल चौरसिया, योगेश सूर्यवंशी, चेतन गांधी, रवि सनोडिया सहित अन्य पत्रकार उपस्थित रहे। पत्रकार परिषद ने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में पत्रकारों के साथ ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

बाइक ने पिकअप और चालक को मारी टक्कर, दो घायल एक की मौत

सिवनी। जिले के लखनादौन थाना क्षेत्र में एनएच-34 पर सोमवार रात चौथा मील के पास हादसा हुआ। पिकअप का टायर पंचर होने पर चालक ने वाहन सडक़ किनारे खड़ा किया था। महेंद्र पटेल (51) टायर बदल रहे थे। इसी दौरान लखनादौन की ओर से आ रही बाइक ने पिकअप और चालक को टक्कर मार दी।

हादसे में महेंद्र पटेल गंभीर रूप से घायल हो गए। बाइक सवार नीलेश बर्मन (36) को भी चोट आई। आसपास के लोगों ने दोनों को संभाला और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायलों को सिविल अस्पताल लखनादौन पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने महेंद्र पटेल को मृत घोषित कर दिया। नीलेश का उपचार जारी है।पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। दुर्घटना स्थल का निरीक्षण करने के साथ संबंधित लोगों के बयान लिए गए। पुलिस वाहनों की स्थिति और हादसे से जुड़े अन्य

राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह में डॉ. राधाकृष्णन सम्मान से सम्मानित हुए शिक्षक अनिल राजपूत

हरिभूमि न्यूज सिवनी। शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, रचनात्मक गतिविधियों और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के लिए विकासखंड कुरई के शासकीय हाईस्कूल ऐरमा में पदस्थ माध्यमिक शिक्षक अनिल राजपूत को राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह में उन्हें सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन सम्मान प्रदान किया गया। शिक्षक अनिल राजपूत को यह सम्मान 4 अक्टूबर 2026 को महात्मा ज्योतिबा फुले धर्मार्थ ट्रस्ट, भिवानी (हरियाणा) तथा 5 अक्टूबर 2026 को चौधरी केहर सिंह एजुकेशनल ट्रस्ट, बड़ौत, जिला बागपत (उत्तर प्रदेश) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उनके अतुलनीय एवं अनुकरणीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। अनिल राजपूत द्वारा विद्यालय में



विद्यार्थियों के बीच पारंपरिक शिक्षण पद्धति के साथ-साथ विभिन्न रचनात्मक, सृजनात्मक एवं गतिविधि आधारित शिक्षण पद्धतियों को अपनाया जा रहा है। उनके द्वारा नवाचारों के माध्यम से बच्चों को विषयों को समझने के साथ-साथ उन्हें व्यवहारिक रूप से सीखने के अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं। विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के बौद्धिक, भावनात्मक, रचनात्मक एवं व्यावहारिक विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

एडीजी जबलपुर जोन द्वारा नवरात्रि, दशहरा पर्व के दृष्टिगत ली गई सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा बैठक



द पुलिस कंट्रोल रूम सिवनी में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जबलपुर जोन प्रमोद वर्मा द्वारा आगामी त्यौहार नवरात्रि एवं दशहरा पर्व के दृष्टिगत सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में डीआईजी छिंदवाड़ा रेंज राकेश कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में सिवनी जिले के समस्त एसडीओपी, थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी एवं रक्षित निरीक्षक उपस्थित रहे। बैठक में एडीजी द्वारा दिए गए प्रमुख दिशा-निर्देश

1. सभी दुर्गा पंडाल / टेंट मजबूती से लगे हों, यह सुनिश्चित किया जावे। भीड़ के हिसाब से पंडालों में प्रवेश एवं निकास की समुचित व्यवस्था रखी जावे। 2. डीजे / साउंड सिस्टम माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित वॉल्यूम एवं समय सीमा में ही बजाया जावे। तेज आवाज से आमजन को परेशानी न हो। 3. सीएमएचओ, सीएमओ एवं एमपीईबी से समन्वय स्थापित कर पंडालों में अग्निशमन, स्वास्थ्य एवं निर्बाध विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित की जावे। 4. मूर्ति विसर्जन हेतु केवल निर्धारित एवं परम्परागत मार्गों का ही उपयोग किया जावे, विसर्जन स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल एवं गोताखोर तैनात रहें। 5. गरबा महोत्सव स्थलों पर असामाजिक तत्वों की रोकथाम हेतु आईडी कार्ड / आधार कार्ड चेक कर ही प्रवेश दिया जावे। 6. त्यौहार के दौरान खुले क्षेत्र में मांस-मछली के विक्रय पर प्रतिबंध का कड़ाई से पालन कराया जावे। 7. सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जावे एवं अफवाह फैलाने वालों पर कठोर कार्रवाई की जावे।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर छात्राओं को खिलाई गई कृमिनाशक दवा

शासकीय कन्या शाला केवलारी में अभियान का शुभारंभ, अधिकारियों व अतिथियों ने भी दवा खाकर दिया जागरूकता का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ केवलारी।

केंद्र एवं राज्य सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय अभियान के तहत राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का आयोजन किया गया। अभियान के अंतर्गत शरीर में मौजूद कृमि परजीवियों से मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से एल्बेंडाजोल दवा का सेवन कराया गया। इसी क्रम में स्थानीय शासकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या शाला केवलारी में अभियान का शुभारंभ अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बैद्यनाथ वासनिक, डॉ. ए. लाकरा, सांसद प्रतिनिधि सुधीर पाण्डे, एवं एडवोकेट पवन यादव की उपस्थिति में किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में छात्राओं



को एल्बेंडाजोल की गोली चबाकर खिलाई गई। उपस्थित अतिथियों ने भी दवा का सेवन कर लोगों को कृमि मुक्ति अभियान के प्रति जागरूक एवं प्रेरित किया। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बैद्यनाथ वासनिक, डॉ. ए. लाकरा, सुधीर पाण्डे, पवन यादव, रमाशंकर महोबिया, डॉ. अविनाश तिवारी एवं सचिन अवधिया रफीक खान ने उपस्थित छात्राओं को कृमिनाशक दवा के सेवन एवं कृमि मुक्ति के लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कृमि मुक्ति से पोषण एवं स्वास्थ्य में सुधार

विकासखंड स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ए. लकरा बीएमबी ने छात्राओं को अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि शरीर में उपस्थित कृमि परजीवियों से मुक्ति मिलने से बच्चों का पोषण स्तर बेहतर होता है। पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है तथा शारीरिक एवं मानसिक विकास में मदद मिलती है। छात्र-छात्राओं में पढ़ाई के प्रति एकाग्रता बढ़ती है और स्वस्थ एवं ऊर्जावान जीवन जीने में सहायता मिलती है। उन्होंने कृमि मुक्ति के लिए दवा के सेवन के संबंध में भी आवश्यक जानकारी दी।

एसडीएम ने बताए कृमि मुक्ति दिवस के फायदे

कार्यक्रम में एसडीएम बैद्यनाथ वासनिक ने छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि कृमि मुक्ति दिवस मनाने का उद्देश्य शरीर में मौजूद परजीवी कृमियों से लोगों को मुक्ति दिलाना है। उन्होंने बताया कि शरीर में मौजूद कृमि परजीवी व्यक्ति द्वारा ग्रहण किए गए पोषक तत्वों का उपयोग कर लेते हैं, जिससे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। कृमिनाशक दवा के सेवन से कृमि परजीवियों से बचाव में सहायता मिलती है। कार्यक्रम को सफल बनाने में योगेश भंडाले बीपीएम, आर.एल. ठाकुर बीईई, प्रकाश भलावी, सतेन्द्र ब्रम्हे, श्रीमती गंगा कुशराम, मनी जंघेला सहित शाला से श्रीमती निशा डोंगरे, सविता जैन एवं शाला परिवार के कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

महामंडल विधान भक्ति और श्रद्धा के साथ सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज छब्बी लाल कमलेशिया। लखनादौन के पटेल जैन मंदिर में चल रहे महामंडल विधान में श्री निर्वेग सागर जी ने अपने मांगलिक प्रवचन में बताया कि वर्षों से लखनादौन में प्रभु की आराधना के ऐसे महा-महोत्सव के आयोजन की भावना बन रही थी। इस वर्ष सभी के पुण्ययोग और सामूहिक भक्ति के फलस्वरूप इंद्रध्वज महामंडल विधान का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने पूरे भक्ति भाव, उत्साह और समर्पण के साथ विधान में सहभागिता कर इसे सार्थक बनाया।

विधान की पूर्णता के अवसर पर आयोजित विमान महोत्सव एवं नगर परिक्रमा को शासन प्रभावना का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए मुनि श्री ने कहा कि जो लोग विधान में उपस्थित होकर प्रभु के दर्शन और आराधना का लाभ नहीं ले पाए, आज भगवान का विमान उनके घर-घर तक पहुँचा। नगर की परिक्रमा के माध्यम से अनेक लोगों को प्रभु-दर्शन का पुण्यलाभ प्राप्त हुआ।

उन्होंने कहा कि आज चारों ओर पंचेंद्रिय विषय-भोगों की आँधी चल रही है और मनुष्य अपना बहुमूल्य जीवन उन्हीं में व्यतीत करता जा रहा है। ऐसे समय में जिन भगवान की भक्ति,



आराधना और गुरु-वाणी से जुड़ना निश्चित रूप से शुभ परिणाम और पुण्य संचय का कारण बनता है।

मुनि श्री निर्वेगसागर जी ने कहा कि इस पूरे आयोजन में सभी का सामूहिक पुण्ययोग बना। अनेक लोगों ने अपना समय, श्रम और सामथ्र्य लगाकर श्रद्धालुओं के लिए अनुकूल वातावरण बनाया। वास्तव में एक व्यक्ति का पुण्य भी पूरे परिवार के जीवन को प्रभावित कर सकता है। जब अनेक लोगों का पुण्य एक साथ जुड़ता है, तब ऐसे भव्य धार्मिक महोत्सव का निर्माण होता है।

इंद्रध्वज महामंडल विधान के माध्यम से श्रद्धालुओं ने प्रभु एवं गुरु की वाणी का लाभ लिया। यह भक्ति हमारे जीवन को बेहतर बनाने की प्रेरणा बने, हमारे अशुभ कर्मों के बंध को रोकने और पाप कर्मों की निर्जरा की दिशा में आगे बढऩे का माध्यम बने—यही भावना होनी चाहिए

महाराज श्री ने बताया कि जितना हम जिन भगवान से जुड़ेंगे, उतना ही हमारे जीवन में पाप का क्षय और पुण्य का संचय होगा तथा परंपरा से संसार के दुखों से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होगा। इसलिए इस भक्ति और आराधना का प्रभाव केवल आयोजन तक सीमित न रहे, बल्कि हमारे दैनिक जीवन और आचरण में भी दिखाई दे। विधान के समापन अवसर पर मुनि श्री ने मंगल भावना व्यक्त करते हुए कहा

सब सुखी रहें, सब प्रसन्न रहें, सबके जीवन में आनंद और कल्याण हो। सभी संसार के विषय-भोगों से बचकर अपने आत्मज्ञान के मार्ग पर आगे बढ़ें और भक्ति-भाव निरंतर जीवन में बना रहे। विधान के समापन पर भव्य शोभा यात्रा निकाली गई जिसमें समाज की हर वर्ग के लोगों ने हिस्सा लिया।

अंगूठा लगवाने के बाद भी राशन नहीं देने का आरोप, समिति प्रबंधक को हटाने की मांग

राशन नहीं मिला तो उग्र आंदोलन की चेतावनी

गोपालगंज की वृत्ताकार सहकारी समिति मर्यादित में पिछले तीन माह से राशन नहीं मिलने से नाराज महिलाओं ने सडक़ पर उतरकर चक्का जाम कर दिया। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने राशन वितरण में कथित अनियमितता का आरोप लगाते हुए प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की।

महिलाओं का आरोप है कि राशन देने के नाम पर उनका अंगूठा लगवा लिया गया, लेकिन इसके बाद राशन उपलब्ध नहीं कराया गया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि गरीब हितग्राहियों को मिलने वाले राशन में कथित तौर पर गड़बड़ी की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि हितग्राहियों के हिस्से का राशन कथित रूप से बेच दिया गया।

1 रुपये का नमक 10 रुपये में देने का आरोप

प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने गोपालगंज समिति की प्रबंधक को हटाने की मांग भी की। साथ ही आरोप लगाया कि एक रुपये में



मिलने वाला नमक का पैकेट 10 रुपये में दिया जा रहा है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

अधिकारियों ने दिया तीन माह का राशन देने का आश्वासन

मामले की जानकारी मिलने पर फूड विभाग से रवि मुकासी तथा मोहगांव समिति के प्रशासक एवं सीईओ दिलीप डेहरिया मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारी हितग्राहियों को आश्वासन दिया कि कल सभी पात्र हितग्राहियों को तीन माह का राशन उपलब्ध कराया जाएगा। हालांकि जब अधिकारियों से पूछा गया कि पिछले तीन माह से राशन क्यों नहीं दिया गया और वितरण में देरी की वजह क्या है, तो इस संबंध में कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया।

पुलिस और राजस्व अधिकारी भी पहुंचे

चक्का जाम की सूचना मिलने पर लखनवाड़ा थाना प्रभारी सीके सिरामे पुलिस स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने आक्रोशित महिलाओं को समझाया और शांतिपूर्वक अपनी बात रखने की अपील की।

घर के सामने खेल रहे डेढ़ वर्षीय मासूम को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौत



सालीवाड़ा में दर्दनाक हादसा, वाहन चालक मौके से फरार; पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की

हरिभूमि न्यूज ⏭ छपारा।

सिवनी जिले के छपारा थाना क्षेत्र के ग्राम सालीवाड़ा में सोमवार शाम दर्दनाक सड़क हादसे में डेढ़ वर्षीय मासूम की मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार 5 अक्टूबर सोमवार शाम करीब 6 बजे नगर से 12 किलोमीटर दूर चमारी मार्ग के सालीवाडा (जुवान) पर गांव में राकेश यादव के घर के सामने डेढ़ वर्षीय राघव अपने बड़े भाई के साथ घर के सामने सड़क किनारे खेल रहा था। इसी दौरान वहां से गुजर रहे अज्ञात वाहन ने मासूम को टक्कर मार दी। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचे मृतक बालक के नाना धुरसिंह यादव ने बताया कि हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया और उसकी पहचान नहीं हो सकी। परिजन तत्काल बालक को उपचार के लिए छपारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मंगलवार 6 अक्टूबर की सुबह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थित मर्चुरी में शव का पोस्टमार्टम कराया गया, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

स्वामित्व योजना की रजिस्ट्री फिर शुरू, बालाघाट में पटवारियों की वापसी

आंदोलन खत्म, काम पर लौटे पटवारी!

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

स्वामित्व योजना के तहत अधिकार पत्रधारियों की रजिस्ट्री का काम बालाघाट जिले में सोमवार से फिर शुरू हो गया। एडीएम डीपी बर्मन के अनुसार, सोमवार को जिले में 20 रजिस्ट्रियां की गईं।

पटवारी स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री की प्रक्रिया में निष्पादक (विक्रेता) बनाए जाने से नाराज थे। इस मुद्दे को लेकर पटवारियों ने आंदोलन किया था। इसके बाद शासन की ओर से एक आदेश जारी किया गया, जिसमें निष्पादन की कार्रवाई के दौरान पटवारियों के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति से संबंधित प्रावधान का उल्लेख किया गया है। आदेश में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 218 का हवाला दिया गया है।

सोमवार को जिला पटवारी संघ के प्रतिनिधियों ने एडीएम डीपी बर्मन के साथ बैठक कर मामले पर चर्चा की। प्रांतीय पटवारी संघ अध्यक्ष गिरधारी भगत ने बताया कि बातचीत सकारात्मक रही। उनके अनुसार, अधिकारी ने आंदोलन के दौरान पटवारियों पर की गई कार्रवाई वापस लेने के संबंध में भरोसा दिलाया है।

भगत ने बताया कि पटवारी सोमवार से काम पर लौट आए हैं और स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री का काम शुरू कर दिया गया है।

एडीएम डीपी बर्मन ने बताया कि सोमवार को स्वामित्व योजना के तहत 20 रजिस्ट्रियां की गईं। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में रजिस्ट्रियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है।



पटवारियों पर आंदोलन के दौरान की गई कार्रवाई वापस लेने के संबंध में पूछे गए सवाल पर एडीएम ने कहा कि शासन स्तर से जो भी आदेश जारी होंगे, उनका पालन किया जाएगा।



आदर्श नवदुर्गा उत्सव समिति गर्रा

स्वच्छता अभियान चलाकर दुकानदारों से सहयोग की अपील

मॉयल दुर्गा मंदिर परिसर में दुकानदारों को दिया स्वच्छता ही सेवा का संदेश

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।



जिला मुख्यालय से करीब 5 किलोमीटर दूर भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले मिनीरत्न सरकारी उपक्रम मॉयल लिमिटेड भरवेली का सार्वजनिक दुर्गा उत्सव पूरे जिले में अपनी अलग पहचान रखता है। नवरात्रि पर्व के दौरान यहां 10 दिनों तक भव्य मेले का आयोजन किया जाता है। मेले में प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु माता रानी के दर्शन करने, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेने और परिवार के साथ मेले का भ्रमण करने पहुंचते हैं।

मेले में बड़ी संख्या में अस्थायी दुकानें लगने के कारण मंदिर एवं मेला परिसर में स्वच्छता बनाए रखना एक बड़ी जिम्मेदारी बन जाती है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए नवरात्रि के दूसरे दिन सोमवार, 12 अक्टूबर को सुबह करीब साढ़े सात बजे सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति द्वारा मंदिर एवं मेला परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने दुकानदारों से संपर्क कर उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूक किया और 'स्वच्छता ही सेवा' का संदेश दिया।

समिति सदस्यों ने दुकानदारों से अपील की कि वे अपनी दुकानों के आसपास किसी भी प्रकार की गंदगी जमा न होने दें। दुकान से निकलने वाले कचरे को इधर-उधर फेंकने के बजाय निर्धारित स्थान पर ही डालें, ताकि मेला परिसर साफ-सुथरा और व्यवस्थित बना रहे। समिति ने कहा कि नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही होती है। ऐसे में स्वच्छ वातावरण बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

समिति पदाधिकारियों ने कहा कि स्वच्छता केवल आयोजन समिति की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक दुकानदार, श्रद्धालु और नागरिक का कर्तव्य है। यदि सभी लोग अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें तो पूरे मेला परिसर को साफ और आकर्षक रखा जा सकता है। समिति ने दुकानदारों से अपील की कि वे स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाएं और श्रद्धालुओं को भी कचरा निर्धारित स्थान पर डालने के लिए प्रेरित करें।

इस अवसर पर सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति के अध्यक्ष विवेक कुमार, सचिव नरेश सोमवंशी, कार्यक्रम सचिव मंगेश डहाके सहित समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे। सभी ने दुकानदारों से नवरात्रि के पूरे आयोजन के दौरान स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने में पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया।

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ जिला बालाघाट ने जे डी जबलपुर को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

अध्यापक शिक्षकों की 24 वर्षीय द्वितीय क्रमोन्नति एवं 12 वर्षीय प्रथम क्रमोन्नति की प्रक्रिया में विसंगति को दूर करने आजाद अध्यापक शिक्षक संघ मध्य प्रदेश के प्रांताध्यक्ष भरत पटेल जी द्वारा संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संभाग जबलपुर को ज्ञापन सौपा गया। जिला अध्यक्ष आशीष बिसेन द्वारा बताया गया कि कार्यालय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर संभाग जबलपुर द्वारा बालाघाट जिले के माध्यमिक शिक्षक से उच्च माध्यमिक शिक्षक बने 116 उच्च माध्यमिक शिक्षकों की द्वितीय क्रमोन्नति 2022 से पेंडिंग है, इस संबंध में जे डी द्वारा 24 वर्षीय द्वितीय क्रमोन्नति हेतु पात्र शिक्षकों को अपात्र घोषित कर सूची जारी कर दी गई जो कि न्याय संगत नहीं है। अपात्र करने का कारण लोकसेवकों को अध्यापक संवर्ग में एक पदोन्नति एवं एक क्रमोन्नति का लाभ प्राप्त होना बताया गया है जो कि पूर्णतः असत्य है। आज 1998 से 2001 तक नियुक्त अध्यापक शिक्षक संवर्ग जिनकी पदोन्नति नहीं हुई उनका पदनाम माध्यमिक शिक्षक है उन्हें 4200/- का ग्रेड पे मिल रहा है एवं पदोन्नति प्राप्त उच्च माध्यमिक शिक्षकों को 3600/- का ही ग्रेड पे मिल रहा है। ऐसी स्थिति में यह कहां सिद्ध होता है कि उन्हें एक पदोन्नति एवं एक क्रमोन्नति का लाभ प्राप्त हो चुका है। इसी प्रकार जे डी कार्यालय से जारी दूसरे पत्र मे माध्यमिक शिक्षक संवर्ग के बालाघाट जिले के 76 लोकसेवकों (माध्यमिक शिक्षको) को भी प्रथम क्रमोन्नति हेतु अपात्र घोषित कर



दिया गया है। अपात्र घोषित करने का कारण गोपनीय चरित्रावली में त्रुटि बताया गया है। जबकि किसी भी लोकसेवक की गोपनीय चरित्रावली गलत नहीं है। श्री आशीष बिसेन ने आगे बताया कि मध्य प्रदेश के समस्त संभागों में द्वितीय कृमोन्नति के आदेश हो चुके है किन्तु जबलपुर संभाग मे द्वितीय क्रमोंन्नति के आदेश आज दिनांक तक जारी नहीं हुए है। ज्ञापन के माध्यम से संयुक्त संचालक महोदय से आजाद अध्यापक शिक्षक संघ ने मांग की है कि अपात्र किये गये प्रकरण का सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुये पुनः परीक्षण कर सेवा पुस्तिका से मिलान कर आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निवेदन किया गया है। एवं दशहरा तक आदेश ना होने पर दशहरा पश्चात आजाद अध्यापक शिक्षक संघ द्वारा धरना देने की चेतावनी भी दी गई है।

पीएमश्री डाइट स्कूल बालाघाट का परचम, विज्ञान नाटिका में प्रथम स्थान



हरिभूमि न्यूज, बालाघाट।

प्रतिभा जब परिश्रम से मिलती है, तो सफलता स्वयं द्वार खटखटाती है। इसकी जीवंत मिसाल पेश की है पीएमश्री डाइट हाईस्कूल, बालाघाट के छात्र-छात्राओं ने। विकासखंड स्तरीय विज्ञान नाटिका प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपने सशक्त अभिनय और वैज्ञानिक चिंतन से निर्णायकों का मन मोह लिया और प्रथम स्थान पर अपना परचम लहराया।कक्षा नवमी के होनहार विद्यार्थियों - सौम्य सराटे, रुद्र बोपचे, सूर्या नामदेव, सदफ शेख, माही लिल्हारे और जीनत खान ने समसामयिक एवं अत्यंत प्रासंगिक विषय 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' का सुरक्षित उपयोग एवं सजगता पर सारगर्भित प्रस्तुति दी। इस सफलता के पीछे विज्ञान शिक्षिका श्रीमती नीता पटले की कुशल मार्गदर्शिका और अथक परिश्रम रहा, जिन्होंने बच्चों की प्रतिभा को तराश कर मंच के योग्य बनाया। इस पुनीत कार्य में प्रगत शैक्षिक संस्थान जबलपुर से इंटर्नशिप छात्र अध्यापिका आशा रिनायत एवं उर्मिला ऐरके का विशेष सहयोग सराहनीय रहा। विद्यालय की यशस्वी प्राचार्य श्रीमती गीता बंशपाल ने विजेता दल को हृदय से बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी।विद्यालय परिसर में हर्ष और उल्लास का वातावरण है।

दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया मप्र शाखा की समीक्षा बैठक एवं अंधश्रद्धा निर्मूलन शिविर सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।



भोपाल मुख्यालय में आयोजित संस्था की दक्षिण एवं उत्तर राज्य शाखा की आवश्यक बैठक एवं अंधश्रद्धा निर्मूलन शिविर का आयोजन संस्था के राष्ट्रीय सचिव एवं मप्र के पालक मंत्री आद.बी.एच.गायकवाड गुरुजी मुंबई के मुख्यातिथ्य में,डॉ.चरनदास ढेंगरे जी अध्यक्ष मप्र राज्य शाखा दक्षिण की अध्यक्षता में ,आद.आर.सी.दिवाकर जी अध्यक्ष उत्तर के स्वागत अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

सूत्र संचालन मप्र दक्षिण के महामंत्री डॉ.उत्तम प्रधान सर इंदौर एवं उत्तर के महामंत्री सतेंद्र बौद्ध ग्वालियर द्वारा किया गया था इस समारोह के विशेष अतिथि बी.सी.सहारे जी कोषाध्यक्ष द,संतोष गवले जी उपाध्यक्ष मप्र,लखन कुमार दैलवार कोषाध्यक्ष मप्र उत्तर,हेमलता ताईं डोंगरे उपाध्यक्ष मप्र,राजकपूर कामडे जी प्र.कार्य सचिव एवम अन्य पदाधिकारी तथा बालाघाट के जिलाध्यक्ष अशोक कुमार मेश्राम जी,प्रमिला ताई चौहान जिला उपाध्यक्ष सहित 14 जिलों के एवं प्रदेश पदाधिकारी शामिल रहेइस आयोजन को सफल बनाने में भोपाल शाखा जिलाध्यक्ष दिलीप बनकर,महासचिव शोभित जुमडे,कोषाध्यक्ष कौतिक राव राउत एवं पूरी टीम ने भरपूर सहयोग किया। शिविर में अंधश्रद्धा प्रशिक्षण शिविर अंधश्रद्धा एवं श्रद्धा विषय पर डॉ उत्तम प्रधान जी ने,अंधश्रद्धा एक सामाजिक समस्या विषय पर संस्था के प्रदेश अध्यक्ष डॉ.चरनदास ढेंगरे जी ने होनेवाले दुष्परिणाम एवं अंधश्रद्धा दूर करने के उपायों पर प्रबोधन किए,राशि भविष्य क्या हे,अंधश्रद्धा एवं भोदूगिरी के प्रकार पर गायकवाड गुरुजी ने विस्तृत रूप से प्रबोधन किए उन्होंने आगे बताया कि अंधश्रद्धा की मुक्ति वैज्ञानिक दृष्टिकोण से ही हो सकती है।

दूसरे दिन अर्थात 11 अक्टूम्बर को संस्था के दोनों राज्य दक्षिण एवं उत्तर की आवश्यक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई इस अवसर पर बैठक में पांढुर्ना जिला शाखा के जिला संयोजक की नियुक्ति,दिनांक 29 नवंबर को सांची महोत्सव सम्पन्न कराने जाकी रूपरेखा बनाई गई जिसमे प्रत्येक जिला शाखा को 10,000/एवं प्रत्येक प्रदेश पदाधिकारी यो को 1000/रूपये सांची महोत्सव सम्पन्न कराने हेतु दिनांक 10/11/2026 तक जमा करना,विभिन्न जिला शाखा ओ में धम्म प्रशिक्षण शिविर आयोजन की रूपरेखा,मप्र राज्य शाखा दक्षिण एवं उत्तर का पुनर्गठन(निर्वाचन) जनवरी 2027 मे सम्पन्न कराने सहित अन्य विभिन्न विषयों पर प्रस्ताव पारित किए गए,इस अवसर पर डॉ. ढेंगरे जी ने सभी पदाधिकारियों को संस्था के माध्यम से किए जाने वाले धम्म कार्य को प्राथमिकता देने को कहा तथा वर्ष 202627 के लक्ष्य को निर्धारित समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए ।

जनगणना-2027 की तैयारियों में तेजी, बालाघाट में चार दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

बालाघाट । आगामी जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों को समय-सीमा में पूरा करने के लिए जिला प्रशासन ने कवायद तेज कर दी है। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्री कुमार सत्यम के निर्देशानुसार ई-दक्ष केंद्र, बालाघाट में नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के चार्ज अधिकारियों, चार्ज क्लर्क तथा तकनीकी सहायकों का चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ है। यह प्रशिक्षण 12 से 15 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। कार्यालय कलेक्टर, जिला बालाघाट की जिला ई-गवर्नेंस सोसाइटी के अंतर्गत संचालित ई-दक्ष केंद्र में आयोजित प्रशिक्षण के दौरान जनगणना के द्वितीय चरण की कार्यप्रणाली, तकनीकी प्रक्रियाओं, डेटा संधारण तथा निर्धारित समय-सीमा में आवश्यक तैयारियां पूरी करने के संबंध में जानकारी दी जा रही है।

मनरेगा से क्या बदला, अधिकारियों ने समझाया

वीबी जीराम जी योजना के मेटो का प्रशिक्षण सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज कटंगी। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन के तहत मेट प्रशिक्षण का आयोजन रविवार, 12 अक्टूबर को शहर के पाथरवाड़ा रोड स्थित प्रशांति वाटिका लॉन में किया गया। प्रशिक्षण में जनपद पंचायत कटंगी से अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा शैलेश अड़मे, हितेश पिपलेवार, उपयंत्री चैनलाल बोपचे, कंप्यूटर ऑपरेटर दुर्गेश शेंडे सहित बड़ी संख्या में ग्राम पंचायतों के मेट उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा शैलेश अड़मे ने मेटों को संबोधित करते हुए कहा कि मनरेगा का नाम बदलकर अब वीबी जीराम जी योजना यानी विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन कर दिया गया है, लेकिन इसका उद्देश्य आज भी वही है गांव के हर जरूरतमंद को रोजगार की गारंटी देना। उन्होंने मनरेगा की शुरुआत से लेकर अब तक के सफर पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जब 2005 में मनरेगा शुरू हुआ था, तब से लेकर आज तक मेट इस योजना की रीढ़ रहा है। जैसे पंचायत में सरपंच और सचिव की जिम्मेदारी होती है, वैसे ही कार्यस्थल पर मेट की जिम्मेदारी होती है। मेट ही सरकार और मजदूर के बीच की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। शैलेश अड़मे ने मेट की जिम्मेदारियों को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि मेट की पहली जिम्मेदारी है कि वह गांव-गांव जाकर ऐसे हितग्राहियों की तलाश करे, जिन्हें वास्तव में काम की जरूरत है। कई बार गरीब मजदूर जानकारी के अभाव में काम नहीं मांग पाते, मेट को खुद उनके पास जाकर उन्हें जागरूक करना है। दूसरी जिम्मेदारी है डिमांड लेकर पंचायत में जाना और उनके जॉब कार्ड से लेकर कार्य स्वीकृति तक की पूरी प्रक्रिया को पूरा कराना। मेट को यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी पात्र हितग्राही का आवेदन पंचायत में अटके नहीं। तीसरी और सबसे बड़ी जिम्मेदारी कार्यस्थल की है। जैसे ही काम शुरू हो, मेट को सबसे पहले रोजगार सहायक और उपयंत्री को सूचना देनी है। कार्यस्थल पर मजदूरों की हाजिरी, उनकी सुरक्षा और सुविधाओं का ध्यान रखना मेट का ही काम है। उन्होंने कहा कि हर कार्यस्थल पर फर्स्ट एड बॉक्स रखना अनिवार्य है, ताकि किसी मजदूर को चोट लगने पर तुरंत प्राथमिक उपचार मिल सके। साथ ही छोटे बच्चों वाली महिला मजदूरों के लिए झूला या पालना की व्यवस्था रखना भी जरूरी है, ताकि महिलाएं निश्चिंत होकर काम कर सकें। सबसे महत्वपूर्ण है मस्टर रोल। मेट को हर दिन मस्टर रोल भरना और उसे सुरक्षित रखना है, क्योंकि इसी से मजदूरों की मजदूरी तय होती है। अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी ने नाम बदलने के बाद हुए मुख्य बदलावों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पहले मनरेगा में एक परिवार को साल में 100 दिन का रोजगार मिलता था, अब वीबी जीराम जी में इसे बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है। इससे ग्रामीण परिवारों को 25 दिन का अतिरिक्त रोजगार और अतिरिक्त आय मिलेगी। पहले मनरेगा में सीमित प्रकार के कार्य होते थे, लेकिन अब इस नई योजना में कुल 318 प्रकार के कार्य चिन्हित किए गए हैं। वर्तमान में शुरुआती चरण में 10 प्रमुख कार्य ही स्वीकृत होकर आए हैं, धीरे-धीरे सभी प्रकार के कार्य शुरू होंगे। अब इस योजना को सिर्फ रोजगार तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे आजीविका मिशन से जोड़ा गया है। यानी काम के साथ-साथ मजदूर के कौशल विकास और उसे स्थायी आजीविका से जोड़ने पर भी फोकस रहेगा। इसके बाद जनपद से आए अन्य अधिकारियों हितेश पीपलेवार और उपयंत्री चैनलाल बोपचे ने भी वीबी जीराम जी योजना के तकनीकी पहलुओं, मेजरमेंट बुक, एमबी, ऑनलाइन अटेंडेंस और भुगतान प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। कंप्यूटर ऑपरेटर दुर्गेश शेडे ने एनएमएमएस ऐप और जियो टैगिंग के बारे में बताया।



डॉ. एसएसएन शासकीय महाविद्यालय मलांजखंड में 'अखिल भारतीय शिक्षा समागम' का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। डॉ. सुधन्वा सिंह शासकीय महाविद्यालय, मलांजखंड में 'अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2026' के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 05 अक्टूबर से 10 अक्टूबर 2026 के मध्य किया गया । इस आयोजन का मुख्य विषय (Theme) ₹NEP: शिक्षा से विकसित भारत ₹ रखा गया । कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय में विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों जैसे वादविवाद प्रतियोगिता, पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एम. के. धुर्वे ,कार्यक्रम प्रभारी सुश्री स्वाति सिंह एवं समस्त शैक्षणिक व गैर-शैक्षणिक स्टाफ के मार्गदर्शन व सहयोग से ये सभी गतिविधियां सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति के प्रति जागरूक करना तथा वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है।